7613 7413 5000Rs.

Fee paid.
A, 1850.00
N, 45.00
1895.00
Balance 2.50
Fee 0.94
3.44
1898.44.

938 31.5.05

:- विक्रय पत्र केवाला दस्तावेज -:

विक्रेतागण :-1-देवी प्रसाद दत्त, 2-श्री तारा प्रसाद दत्त, पिता स्व० अवनी कुमार दत्त, जाति- कायस्थ, पेशा-वकालत, साकिम-सुन्दरपुर, थाना-जोड़ापोखर, जिला-धनबाद, झारखंड ।

क्रेतागण :-1-श्री दिग्विजय हरगवे, पिता स्व० जय कृष्ण सहाय, 2-श्रीमती रीता हरगवे, पति श्री दिग्विजय हरगवे, जाति-कायस्थ, पेशा-1 नं० क्रेता का सेवा निवृत एवं 2 नं० क्रेता का गृहस्थी, साकिम-क्वाटर नं०-डी/21, सेक्टर 1x, कोयला नगर, पो०-बी. सी. सी. एल. टाउनशीप, थाना-सरायढेला, जिला-धनबाद, झारखंड ।

001292/05

1220/05-06.
Digvijay Hangama.
Kaylanagar. [illegible]

[illegible] (5000+1000×2+100)
[illegible]

8/8/05 10 [illegible]

दिनांक ____ 200_ [illegible] Debi Prosad Dalt
[illegible] 8.8.05
[illegible] देबी प्रसाद [illegible]
[illegible] स्व० उमा [illegible]
[illegible] आई [illegible]
[illegible]
[illegible] कायस्थ

[illegible] की हस्ताक्षर 8/8/05

[illegible] की [illegible]

देबी प्रसाद [illegible]

[illegible] की [illegible] देबी प्रसाद [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

191/VA4/05

निष्पादित की है। [illegible]

[illegible] सिंह

Debi Prosad Dutt.
8-8-05

192/VA4/05

निबंधन पदाधिकारी
[illegible]

।2।

लेख्य प्रकार :- विक्रय पत्र केवाला दस्तावेज ।

मूल्य-1,85,000/-रुपया (एक लाख पचासी हजार रुपया) मात्र ।

सालाना मालगुजारी-50 पैसा मात्र ।

मालिक जमिंदार झारखण्ड सरकार,अंचल कार्यालय धनबाद ।

विवरण जायदाद :- जिला धनबाद,चौकी अवर निबंधन कार्यालय धनबाद, थाना धनबाद हाल थाना सरायढेला अन्तर्गत "कोलाकुसमा" मौजा में कायमी रैयती स्वत्व की खरीदा हुआ जायदाद, मौजा- कोलाकुसमा, मौजा नं0-12, खाता नं0-131 (एक सौ एकतीस) प्लोट नं0- 3329, (तीन हजार तीन सौ उनतीस) रकबा-05 कठ्ठा (पाँच कठ्ठा) यानि-8.25 डिसमिल जमीन आज हमलोग इस केवाला दस्तावेज द्वारा बिक्री किया ।-

जिसका चौहद्दी .- उत्तर- डी. एन. बनर्जी,

दक्षिण- 12 फीट का चौड़ा प्रस्तावित रोड,

पूरब- शुभाशीष चक्रवर्ती,

पश्चिम- प्रस्तावित प्लोट

0.10265/05

1220/05-06

Digvijay Hargave

Koyla wagad Saraibelle to Delhi

25000/- (5000+1000×2 +500)

8/8/05

193
V11/05

Ravi Ranjan
8/8/05

8/8/05

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

Debe Prasad Dutta 8.8.05

Tara Prasad Dutta 08.08.05

131

मूल दस्तावेज एवं द्वितीयक प्रति के साथ एक-एक प्रति नक्शा नत्थी किया गया है, जो बिक्रीत स्थान को नक्शे में लाल रंग से दर्शाया गया है ।

उपरोक्त विवरण में दिये गये जायदाद विक्रत अंग्रेजी सन् तारिख-23.1.1993 ई0 का केवाला दस्तावेज संख्या-522, द्वारा 1 नं0 विक्रेता के अपने नाम से तथा 523 द्वारा 2 नं0 बिक्रेता के अपने नाम से श्रीमति जया रानी मंडल पति श्री स्वपन कुमार मंडल साकिम-माड़मा, थाना-निरसा, जिला-धनबाद निवासी से खरीदा हुआ जमीन है, और हमलोग उक्त जमीन को खरीद कर भोग दखल करते हुए, अंचल कार्यालय धनबाद में अपना-अपना नाम दाखिल-खारिज करवा कर जमाबन्दी संख्या-1493 एवं 1492 में मालगुजारी आदाय देते आ रहें है ।

उक्त जायदाद को बिक्री करने हेतू शहरी भू-हदबन्दी अधिनियम 1976 की धारा 26 ॥1॥ के तहत सक्षम पदाधिकारी धनबाद को आवेदन पत्र संख्या-938 दिनांक-31.5.05 द्वारा सूचना दी गई थी, उक्त पदाधिकारी से 60 दिन उपरान्त किसी प्रकार की आपत्ति की सूचना नहीं मिलने पर आज हमलोग दस्तावेज निबंधन हेतु दाखिल किया ।

010766/05

1270/05-06
Digvijay Hargave
Koyla nagar Saraidhela Dhn

7500/- (5000+1000×2+500)

अवर निबंधक धनबाद

8/8/05

500 Rs.

Debi Prasad Dutta
..8.8.05.
Tara Prasad Dutta
..08.08.05

॥5॥

चूँकि विक्रय पत्र केवाला दस्तावेज का विवरण यह है कि हमलोगों को विशेष जरूरी कार्यों के कारण रूपये की अति आवश्यकता आने पर उक्त जाय--दाद को बिक्री किये बगैर रूपये का बन्दोवस्त करना कठिन है,अतः हमलोग उक्त विवरण में दिये गये जायदाद बिक्री करने का प्रस्ताव करने पर आप -लोग खरीद करने केलिए राजी हुए,इस प्रकार दोनो पक्षो की आपसी सहमति से विवरण में दिये गये जायदाद का समयोचित सर्वोच्च मूल्य-1,85,000/-रूपया में तय हुआ,और आज हमलोग उक्त तयकृत मूल्य का सम्पूर्ण रूपया को नगद लेकर यह जायदाद को बिक्री करके अपना-अपना हक-अधिकार से वंचित होकर आपलोगों को पुर्ण रूप से दखल कार किया तथा दखल दिया,आपलोग उक्त वर्णित जायदाद पर आज तारिख से अपने ईच्छानुसार नया कच्चा-पक्का मकान, बना कर निज बस-वास,भाड़ा विलि,बाग-बगीचा कुँआ,आंगन,चारदिवारी आदि निर्माण कर भोग दखल करें,तथा दान,बिक्री,हस्तान्तारण रेहन या दाय-सदउपयोग आदि करने का हकदार बनकर वंश परम्परा पत्र सुख से क्रमानुसार

1226/05-06
Digvijay Hargane,
Keydarnagar Sonaitola S.L.

[illegible] ([illegible])

8/8/05

Debi Prasad Dubey
8.8.05
Tara Prasad Dubey
08.08.05

§5§

भोग दखल करते रहें, इसमें हमलोग या हमलोगों के वंशज वारिशान, उत्तरा-
-धिकारी को किसी भी प्रकार की उजूर, एतराज या आपत्ति नहीं होगा,
और उजूर, एतराज या आपत्ति करने पर भी कानूनी तौर से नामंजूर और
बातिल समझा जायेगा ।

उपरोक्त विवरण में दिये गये जायदाद का आज तारिख से सालाना माल -
-गुजारी प्रति सन् मालिक जमिंदार झारखंड सरकार को अदाय देकर हमलोगों
का नाम खारिज करवा कर आपलोग अपने नाम से मालगुजारी का रसीद -
हासिल किजीएगा, नाम दाखिल-खारिज करने के लिए जो करना जरूरी होगा
वह हमलोग करेंगे ।

उपरोक्त विवरण में दिये गये जायदाद आज तारिख से पहले किसी भी प्रकार
की दान, बिक्री, हस्तान्तरण, रेहन आदि किया हुआ नहीं है, और यदि किया
हुआ रहें या प्रमाण पाने पर आपलोगों को क्षति हो तो हमलोग उक्त क्षति -
का क्षति पुर्ति करेंगे ।

धनबाद

Debi Prasad Dutta
08.08.05
Tara Prasad Dutta
08.08.05

।6।

उपरोक्त विवरण में दिये गये जायदाद को निर्दाय एवं निर्दोष अवस्था में बिक्री करके हमलोग मूल्य का सम्पूर्ण रुपया को समझकर प्राप्त किये ।

अतः हमलोग अपना-अपना शरीर और मन की सरलता से बिना किसी के दबाव में आकर यह विक्रय पत्र केवाला दस्तावेज लिख दिये, ताकि समय पर काम आवें । इति सन्-2005 ई० दिनांक- 8/8/05

पक्षो को दस्तावेज पढ़कर सुनाया तथा समझा दियउ,

एवं दस्तावेज का प्रारुप मैंने तैयार किया ।

नंदगोपाल राक्षित
मो० धनबाद, लाo नं० 85/63

प्रमाणित किया जाता है कि मूल दस्तावेज एवं द्वितीयक प्रति एक-दूसरे के हू-ब-हू और सच्ची प्रति-लिपि है ।

Debi Prasad Dutta.
8.8.05

:- गवाहगण -:

।1। Rani Ranjan
Vasant Vihar Colony
DHANBAD
8/8/05

।2। Manik chandra Dutta
8.8.05

टंकक :

I
182
258- 264
7413 वर्ष 2005
8/8/05

8/8/05

8/8/05

Seller:— (1) Sri Debi Prasad Dutt. (2) Sri Tara Prasad Dutt. S/o Late Abani Kumar Dutt, of Sunclarpur. P.S. Jorapokher. Dist. Dhanbad.

Purchaser:— (1) Sri Digvijay Hargave, S/o late Jai-Krishna Sahay, (2) Smt. Reeta Hargave w/o Sri Digvijay Hargave. of Qr. No. D/21, Sector IX, P.O. B.C.C.L. Town Ship, P.S. Saraidhela. Dist. Dhanbad.

Scheelule:- Mouza- Kalakusma No. 12. under Khata No. 131. Plot No. 3329. (Part) Area 5 (Five) Kathas.

Shown in colour red.

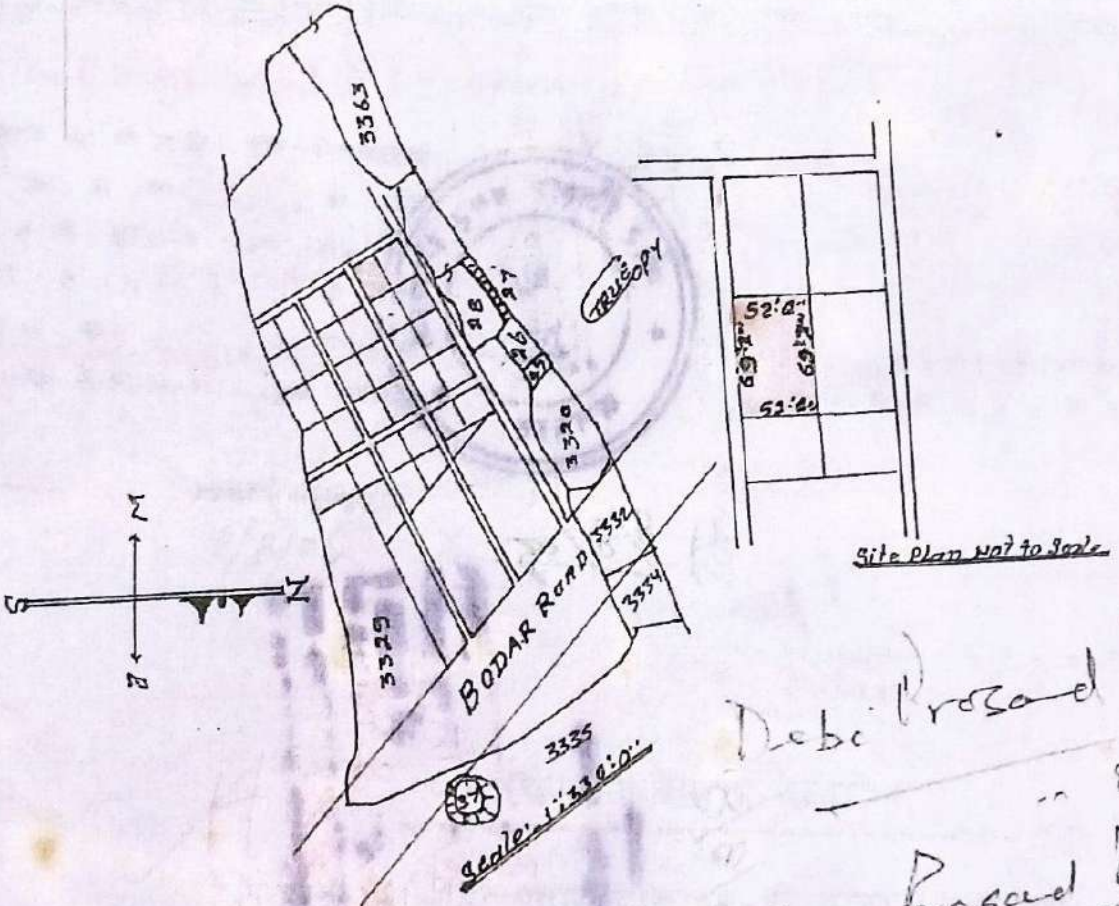

Debi Prasad Dutt
8.8.05

Tara Prasad Dutta.
08.08.05